विदेशी छात्रा को 31 .85 ग्राम कोकीन के साथ पकड़ा

▶ स्टूडेंट्स बीजा पर भारत आई थी अफ्रीकी युवती

इंदौर. नारकोटिक्स सेल ने वेस्ट अफ्रीका की एक युवती को 31.85 ग्राम कोकीन पाउडर के साथ गिरफ्तार किया है. स्टूडेंट वीजा पर मुंबई में रह रही यह महिला बस से ड्रग्स सप्लाई करने इंदौर आई थी. यह शहर में कोकीन पकड़े जाने का संभवत: पहला मामला बताया जा रहा है. पकड़ी गई कोकीन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 15.50 लाख बताई गई है.

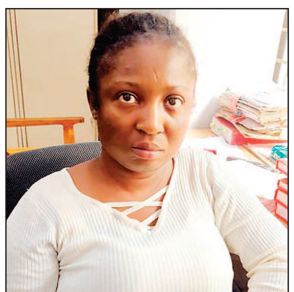

डीएसपी नारकोटिक्स संतोष सिंह हाड़ा ने बताया कि नारकोटिक्स विंग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर रेसिडेंसी क्षेत्र में जाल बिछाया और संदिग्ध महिला को धर दबोचा. आरोपी का नाम लिंडा उम्र 25 वर्ष निवासी वेस्ट अफ्रीका है. उसके पास से 31.85 ग्राम कोकीन पाउडर बरामद किया गया है. युवती से बरामद कोकीन को नशीले पदार्थों की श्रेणी में अत्यधिक खतरनाक माना जाता है. नारकोटिक्स विंग अब यह पता लगा रही है कि उसने मादक पदार्थ किससे खरीदा और इंदौर में इसे किसे सप्लाई करने वाली थी. इस कार्रवाई में नारकोटिक्स सेल की निरीक्षक राधा जामोद के नेतृत्व में निरीक्षक हरीश सोलंकी, प्रधान आरक्षक ओम, महिला आरक्षक स्मिता, प्रदीप और रजनीश की महत्वपूर्ण भूमिका रही. टीम इसे कोकीन की जब्ती के लिहाज से शहर का पहला बड़ा मामला बता रही है.

▶ शीघ्र ही खुलेंगे ड्रग नेटवर्क के राज

हाड़ा ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद से ही आरोपी लिंडा पुलिस जांच में सहयोग नहीं कर रही है और उसने इंदौर में डिलीवरी लेने वाले का नाम बताने से इनकार कर दिया है. पुलिस ने उसका एप्पल आईफोन जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है. पुलिस को उम्मीद है कि मोबाइल के कॉन्टैक्ट्स, चैट हिस्ट्री और पेमेंट डिटेल से यह पता चलेगा कि इंदौर में यह कोकीन किसके लिए मंगवाई गई थी.

स्टूडेंट वीजा पर भारत में आकर मुंबई में रह रही थी युवती

डीएसपी हाड़ा के अनुसार युवती के पासपोर्ट और दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि आरोपी महिला का नाम लिंडा है और वह वेस्ट अफ्रीका की रहने वाली है. वह स्टूडेंट वीजा पर भारत आई थी और मुंबई के नालासोपारा में रह रही थी. वह बस के जरिए मुंबई से इंदौर पहुंची थी. पुलिस को शक है कि वह पहले भी शहर में ड्रग्स की सप्लाई कर चुकी है.

निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे मिला नवजात का शव

इंदौर. आजाद नगर क्षेत्र में मूसाखेड़ी चौराहे पर एक नवजात शिशु का क्षत-विक्षत शव मिला. पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है. आजाद नगर पुलिस को मूसाखेड़ी चौराहे पर निर्माणाधीन ब्रिज के नीचे नाले के पास नवजात शिशु का शव पड़ा होने की सूचना मिली. मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया. प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि नवजात का शव काफी खराब स्थिति में मिला. शरीर का बड़ा हिस्सा जानवरों द्वारा खा लिया गया था. एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि जन्म के कुछ समय बाद ही किसी ने उसे यहां फेंक दिया होगा. शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है. पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नवजात को यहां कौन और कब छोड़ गया. वहीं मामले में आजाद नगर थाना प्रभारी तिलक करोले का कहना है.

एमवाय में गंभीर लापरवाही : महिला मरीज को चढ़ा दी एक्सपायरी ड्रिप

▶ वीडियो वायरल होने पर अस्पताल प्रबंधन ने बनाई जांच समिति

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में उपचार के दौरान एक महिला मरीज को एक्सपायरी डेट की बोतल चढ़ाने का गंभीर मामला सामने आया है. बोतल लगाए जाने के ठीक बाद परिवार की नजर बोतल के लेबल पर लिखी तारीख पर पड़ी, जिसके बाद हंगामा मच गया और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया. जानकारी अनुसार, महिला को पेट में संक्रमण और पानी भरने की शिकायत के बाद 12 नवंबर को एमवाय अस्पताल के मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया था. इलाज के दौरान जब नर्स ने ड्रिप की बोतल स्टैंड पर लगाई, तभी मरीज के परिजन की नजर बोतल पर पड़ी. उस पर अगस्त 2025 की एक्सपायरी डेट दर्ज थी. परिजन ने तुरंत ही स्टॉफ का ध्यान इस ओर दिलाया, जिसके बाद एक्सपायरी बोतल हटाकर दूसरी बोतल लगा दी गई. इसी दौरान मौजूद परिजन ने पूरी स्थिति का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया.

मंत्री विजयवर्गीय ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

घटना पर नगरीय प्रशासन मंत्री ने भी कड़ा रुख दिखाते हुए अपनी कड़ी नाराजगी दिखाई है. उन्होंने कहा कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाली किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मामले में बारीकी से जांच हो और दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

अस्पताल प्रबंधन की भूमिका सवालों के घेरे में

घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे. मीडिया द्वारा पूछे जाने पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव ने स्वीकार किया कि बोतल लगाने के समय ही स्टॉफ को एक्सपायरी डेट की जानकारी लग गई थी, जिसके बाद उसे तुरंत बदला गया. उन्होंने कहा कि अस्पताल में एक्सपायरी दवाओं और सामग्री का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है और इस संबंध में स्टोर का भी परीक्षण कराया गया है. यदि कहीं पर भी एक्सपायरी स्टॉक मिलता है तो उसका तुरंत निस्तारण किया जाएगा. अधीक्षक ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी गई है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

शादी को लेकर तनाव ने दो जिंदगियां छीनीं

▶ युवक ने जहर खाया और महिला ने फांसी लगाई

इंदौर. शहर के वाणगंगा क्षेत्र में एक युवक ने जहां विवाह न होने के तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खाकर मौत को गले लगा लिया, वहीं हीरानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला ने पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर जान दे दी. दो अलग-अलग क्षेत्रों में हुई इन घटनाओं में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और जांच कर रही है.

पुलिस के अनुसार, गोकुलधाम सिटी में रहने वाले 32 वर्षीय रवि पिता शेरसिंह ने बुधवार शाम जहर खाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों के मुताबिक वह पिछले आठ दिनों से शादी की बात को लेकर घर में लगातार विवाद कर रहा था. तराफे लगाने का काम करने वाला रवि कल शाम नशे की हालत में घर पहुंचा और भाई राजेश से बहस शुरू कर दी. उसने उलाहना दिया कि उसकी उम्र निकल रही है और परिवार उसके विवाह को लेकर गंभीर नहीं है. झगड़ा बढ़ने पर भाई और भाभी घर से बाहर चले गए. इसी दौरान मां लक्ष्मीबाई और पिता शेरसिंह ने उसे शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वह बार-बार यही कहता रहा कि उसकी शादी कब होगी.

▶ बीमारी के चलते नहीं हो पा रहा था विवाह

परिजनों का कहना है कि रवि को त्वचा संबंधी बीमारी थी, जिसके कारण रिश्ते नहीं हो पा रहे थे. कामकाज भी सीमित था, आर्थिक तंगी और

बीमारी की वजह से वह तनाव में रहता था. घर के पीछे जाकर उसने जहरीला पदार्थ निगल लिया. कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बताया जाता है कि वह पहले भी घर में आत्महत्या की धमकी दे चुका था, जिससे परिवार को लगा था कि वह ऐसा कदम नहीं उठाएगा, लेकिन इस बार उसने सही में जान दे दी. दूसरी घटना हीरानगर क्षेत्र के भानगढ़ की है, जहां 26 वर्षीय मंजू ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी. प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह को कारण माना जा रहा है. पुलिस दोनों मामलों में मर्ग कायम कर आगे की जांच कर रही है.

डंपर की चपेट में आने से तीन साल के बच्चे की मौत

▶ परिजनों और लोगों ने डंपर चालक को लाठी-ईंट से पीटा

इंदौर. बाणगंगा क्षेत्र में मिट्टी के भट्टे पर डंपर की चपेट में आए तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गई. हादसे के तुरंत बाद बच्चे के परिजनों और अन्य लोगों ने डंपर चालक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

घटना भांग्या स्थित बिजेंद्र पाल के भट्टे की बताई गई है. पुलिस के अनुसार किशोर नामक चालक डंपर आगे बढ़ा रहा था, तभी वहां काम करने वाले सुनील अहिरवार का तीन वर्षीय बेटा अंकित अचानक पीछे की ओर दौड़ पड़ा. बच्चा डंपर के पिछले पहिए के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. बच्चे की मां चीखते हुए दौड़ी और पति सुनील अहिरवार को बुलाया. आरोप है कि सुनील ने गुस्से में किशोर को डंपर से उतारकर गाली-गलौज करते हुए पीटना शुरू कर दिया. इसी दौरान दीपक अहिरवार और दो अन्य लोग भी वहां पहुंच गए. उन्होंने मिलकर किशोर पर लाठी और ईंटों से हमला किया. हमले में किशोर के सिर, कमर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल किशोर को अस्पताल भिजवाया.

एक नजर में

अलमारी से सोने के गहने और नकदी गायब, ट्यूशन टीचर पर शंका

इंदौर. अग्रवाल नगर में एक महिला की अलमारी से सोने के गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है. पीड़िता ने अपने घर पर आने वाली ट्यूशन टीचर पर शक जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. भंवरकुआं थाना क्षेत्र के अग्रवाल नगर नई भूमि में रहने वाली निशा अग्रवाल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी अलमारी में प्लॉस्टिक की डिब्बी में दो सोने की चूड़ियां, दो चेन, अंगूठी, एक पेंडिल और नकदी रखी थी. व्यस्तता के चलते वे कई दिनों तक अलमारी चेक नहीं कर सकीं. जब उन्होंने अलमारी देखी तो गहने और नकदी गायब मिले. घर में खोजबीन करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला. निशा ने शक जताया है कि उनके घर पर पढ़ाने आने वाली 27 वर्षीय ट्यूशन टीचर संजना, निवासी शिवधाम कॉलोनी, खंडवा रोड, ने गहने चोरी किए हो सकते हैं. पुलिस ने उनकी शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस संजना से पूछताछ कर रही है और आरोपों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी व अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं.

ठेकेदार ने की अश्लील हरकत

इंदौर. बाणगंगा क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती को छत पर अकेला पाकर ठेकेदार द्वारा छेड़छाड़ और जबरदस्ती किस करने का मामला सामने आया है. विरोध करने पर आरोपी ने युवती को धमकाया और जान से मारने की धमकी दी. पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है. बाणगंगा थाना क्षेत्र की 22 वर्षीय युवती ने शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने मकान की छत पर कपड़े सुखाने गई थी, तभी घर पर काम कर रहा ठेकेदार 32 वर्षीय रवि कुशवाह, निवासी न्यू सुंदर नगर बाणगंगा, उसे अकेला देखकर छत पर आ गया. युवती ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपी ने पहले उससे सामान्य बातचीत करने की कोशिश की. जब वह नीचे जाने लगी तो रवि ने उसका हाथ पकड़कर जबरदस्ती किस किया. युवती ने बताया कि जाते-जाते आरोपी ने धमकी दी कि यदि उसने यह बात किसी को बताई तो वह उसे जान से मार देगा. पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी रवि के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं.

फरार बंटी पचौरी ब्राउन शुगर के साथ धराया

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने पुरानी राजकुमार सब्जी मंडी क्षेत्र में दबिश देकर मयूर उर्फ बंटी पचौरी को 12.60 ग्राम ब्राउन शुगर और एक बाइक के साथ गिरफ्तार किया. अंतराष्ट्रीय बाजार में उक्त माल की कीमत करीब 1.30 लाख बताई गई है. क्राइम ब्रांच की टीम ने शिवाजी नगर स्थित पुरानी राजकुमार सब्जी मंडी इलाके में संदिग्धों की तलाश के दौरान एक युवक को रोककर तलाशी ली. युवक मयूर उर्फ बंटी पचौरी, निवासी गांधीनगर, दिहाड़ी मजदूर है और 10वीं तक पढ़ा हुआ है. पूछताछ में उसने बताया कि वह सस्ते दामों पर ब्राउन शुगर खरीदकर शहर के नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचता था. तलाशी में उसके कब्जे से 12.60 ग्राम ब्राउन शुगर मिली, जिसकी अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 1.30 लाख रुपए आंकी गई है. वहीं एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है. पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बंटी के खिलाफ शहर में पहले से करीब आधा दर्जन प्रकरण दर्ज हैं. क्राइम ब्रांच टीम आरोपी के सप्लाई नेटवर्क और सोर्स की पड़ताल कर रही है.

धारदार हथियार के साथ तीन युवकों को पकड़ा

इंदौर. राजेंद्र नगर और भंवरकुआं थाना क्षेत्रों में गश्त के दौरान पुलिस ने तीन युवकों को अवैध हथियार के साथ पकड़ा. शहर में अवैध हथियारों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत राजेंद्र नगर पुलिस ने केसरबाग रोड ग्राउंड के पास संदिग्ध हालत में घूम रहे 25 वर्षीय नारायण, निवासी ग्राम उखल्दा, थाना मनावर जिला धार को पकड़ा. तलाशी में उसके कब्जे से प्लास्टिक हत्थे वाला कटीले पीछे वाले हिस्से का धारदार चाकू मिला. इसी क्षेत्र में दूसरी कार्रवाई भी गई. प्रधान आरक्षक धर्मेन्द्र यादव ने बताया कि 24 वर्षीय दीपक निवासी ग्राम करोंदिया थाना धरमपुरी जिला धार, हाल मुकाम पवनपुरी कॉलोनी पालदा को सिन्थेटिक ग्राउंड के पास पकड़ा. उसके कब्जे से लगभग 15 इंच लंबा लोहे का तेजधार छुरा मिला. वहीं, भंवरकुआं पुलिस ने भी अवैध हथियार लिए 29 वर्षीय प्रशांत पांडे, निवासी गोटेगांव नरसिंहपुर को वाइन शॉप के पास से पकड़ा. तलाशी के दौरान उसके पास से लोहे का तेजधार चाकू मिला. पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर तीनों आरोपियों से हथियार रखने के कारण और खरीद के स्रोत को लेकर पूछताछ की जा रही है.

राह में बढ़ी पीड़ा, सीएचओ ने सड़क किनारे कराया प्रसव

इंदौर. धार जिले के केसरी ग्राम निवासी एक गर्भवती महिला को इंदौर से लौटते समय अचानक प्रसव पीड़ा हुई. अस्पताल पहुंचना मुश्किल था, तभी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की त्वरित प्रतिक्रिया ने राह में फंसे परिवार को बड़ी राहत दे दी. सूचना पर पहुंची सीएचओ ने मौके पर ही महिला का सुरक्षित प्रसव कराया.

धार जिले के केसरी ग्राम निवासी श्याम अपनी गर्भवती पत्नी और बेटे के साथ मोटरसाइकिल से इंदौर से अपने गांव जा रहे थे. कलारिया ग्राम के बाहरी हिस्से से गुजरते समय महिला की तबीयत बिगड़ गई और उसने तेज दर्द की शिकायत की. श्याम ने तुरंत वाहन रोका और आसपास मौजूद लोगों से मदद मांगी. गांव वालों ने उन्हें जनपद अध्यक्ष रवि चौधरी से बात करने की सलाह दी. श्याम ने स्थिति बताई तो जनपद अध्यक्ष ने बिना देर किए कलारिया स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ सुनीता डांगी से संपर्क किया. सूचना मिलते ही सुनीता डांगी मेडिकल किट लेकर मौके पर पहुंचीं. उन्होंने देखा कि बच्चे का सिर बाहर आ चुका था और अस्पताल ले जाने का वक्त नहीं था. मौके की नजाकत को समझते हुए उन्होंने वहीं सड़क किनारे सुरक्षित प्रसव कराया. इस दौरान संजीवनी 108 एम्बुलेंस भी पहुंच गई थी. महिला को रक्तस्राव होने पर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेटमा रेफर किया. बेटमा सीएचसी में मां और नवजात दोनों सुरक्षित हैं. दंपति और ग्रामीणों ने स्वास्थ्य टीम की त्वरित और भरोसेमंद सेवाओं पर संतोष जताते हुए आभार व्यक्त किया.

स्टेशन व ट्रेनों में सिलसिलेवार चोरी करने वाला कुख्यात बदमाश पकड़ाया

▶ जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 77 हजार रुपए का माल बरामद

इंदौर. उज्जैन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को निशाना बनाने वाला शातिर चोर आखिरकार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में धरा गया. टीम ने आरोपी के पास से मोबाइल, सोने की लटकन और नकदी सहित करीब 77 हजार रुपए का सामान बरामद किया है.

रेल यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम लगातार अभियान चला रही है. इसी दौरान रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला दिनेश पटेल, निवासी सुमराखेड़ा उज्जैन पुलिस की पकड़ में आ गया. आरोपी के कब्जे से 77 हजार रुपए का चुराया गया माल जब्त कर पुलिस ने बड़ी सफलता दर्ज की. यह कार्रवाई उस समय शुरू हुई, जब 17 नवंबर को साबरमती एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे फरियादी अबू हमजा व उनके परिवार का लेडीज पर्स उज्जैन स्टेशन पर चोरी हो गया. परिवार के जागने पर चोरी का पता चला. पर्स में सोने के बुंदे और नकदी सहित करीब 57 हजार रुपए का सामान था.

सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से पकड़ाया आरोपी

मामले की गंभीरता देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई. थाना प्रभारी जीआरपी अमित कुमार भावसार और आरपीएफ पोस्ट कमांडर निरीक्षक नरेंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया. स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक युवक बैग लेकर तेजी से बाहर जाते दिखा. उसकी पहचान दिनेश पटेल के रूप में हुई. उसके खिलाफ पहले भी कई प्रकरण दर्ज हैं. मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने प्लेटफार्म क्रमांक 4 मक्सी एंड पर घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया. उससे बरामद माल की जब्ती कर कार्रवाई पूरी की गई और आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया.

लहसुन से भरी बस पकड़ी, 5 हजार का चालान काटा

▶ न्यू बेतवा बस सर्विस की स्लीपर कोच के स्लैब में भरी थी बोरियां

इंदौर. यातायात पुलिस की विशेष जांच मुहिम में स्लीपर बस के भीतर बड़ी मात्रा में लहसुन की बोरियां मिलने पर बस संचालक पर 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया. बस में यात्रियों की जगह भारी माल भरकर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था.

यातायात सूबेदार अरुण सिंह ने बताया कि शहर के यातायात को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के लिए बसों की सघन जांच की जा रही है. इसी अभियान के तहत टीम ने स्लीपर बसों का निरीक्षण किया. जांच के दौरान स्टार चौराहा पर न्यू बेतवा बस सर्विस की स्लीपर बस को रोककर देखा गया तो पता चला कि यात्रियों के सामान्य सामान के बजाय अंदर बने स्लैब पर भारी मात्रा में लहसुन की बोरियां लोड की गई थीं. बस में सिर्फ कुछ अटैची, बैग और बाल्टी जैसे सामान थे, जबकि यात्रा के दौरान अतिरिक्त माल ले जाना नियमों के खिलाफ है. पुलिस ने यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए बस संचालक पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा के तहत मौके पर 5,000 रुपए का चालान बनाया और बस को आवश्यक निर्देश देकर आगे रवाना किया. ट्रैफिक पुलिस ने सभी बस संचालकों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत सामान ही ले जाएं, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा प्रभावित न हो.

एक नजर में ▶ अतिक्रमण के साथ ही ऑटो, ई-रिक्शा और मैजिक की धमाचौकड़ी से होती है यात्रियों की फजीहत

अनदेखी के चलते शहर के अधिकांश यात्री बस स्टॉप बदहाल

इंदौर. शहर के अधिकांश क्षेत्रों और मुख्य मार्गों पर सिटी बस के स्टॉप पर यात्री प्रतीक्षालय बने हुए हैं. लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते और रख-रखाव के अभाव में इनमें से कई प्रतिक्षालय बदहाल स्थिति में पहुंच गए ,तो कहीं हैं ही नहीं. इस कारण यात्री परेशान होते रहते हैं. इसी तरह राजबाड़ा बस स्टॉप पर भी यात्रियों की फहीजत देखी जा सकती है.

नजारा था शाम का, जहां राजबाड़ा के सामने उद्यान के चारों और फुटपाथ पूरी तरह से ठेलों और ऑटो रिक्शा के कब्जे था. पैदल चलने वाले लोग वाहनो के बीच जूझते नजर आए. यहीं शहर का मुख्य सिटी एवं आई बस स्टॉप भी है. यहां से शहर के चारों कौनों के लिए बसें आती-जाती हैं. एक समय में आठ से दस बसें यात्रियों को लेने और छोडने पहुंचती हैं. यात्री इन बसों के इंतजार में वाहनों के बीच सडक पर खड़े रहने को मजबूर रहते हैं. इतना ही नहीं, यहां कोई प्रतिक्षालय या महिलाओं को बैठने की कोई व्यवस्था भी नहीं हैं. ऐसे में महिलाओं को सडक़ पर बैठना पड़ता है. क्योंकि राजबाड़ा उद्यान के फुटपाथ पर जहां यात्री सुरक्षित खड़े या बैठ सकते हैं, वहां तो नगर निगम की सांठ गांठ से फुटकर व्यापारियों द्वारा अतिक्रमण किया हुआ है. स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट के तहत विभिन्न कार्यों में नगर निगम द्वारा फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त किया जाना भी शामिल था. शहर के कुछ क्षेत्रों में तो यह कार्रवाई की गई, लेकिन जब राजबाड़ा के आसपास देखते हैं तो तस्वीर ही कुछ बदली हुई दिखाई देती है. ऐसे में नगर निगम की कार्रवाई शंकाओं के घेरे में आ जाती है.

▶ यह बोले नागरिक ...

राजवाड़ा के आसपास पूरे फुटपाथ पर अतिक्रमण है, अगर इसे हटा दिया जाए तो यात्रियों के लिए बेहतर सुविधा और व्यवस्था बहुत अच्छी हो जाएगी. इससे क्षेत्र की सुंदरता भी बनी रहेगी.

- करण सोनकर

बस के इंतजार में लोग सडक़ों पर खड़े रहते हैं, ऐसे में दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है फुटपाथ को खाली करके वहां यात्रियों के लिए बेंच लगा देनी चाहिए.

- सूरज माली

शहर में फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त करने की कार्रवाई इधर-उधर होती है, लेकिन राजवाड़ा पर निगम अधिकारियों की नजरें नहीं पड़तीं. जबकि राजवाड़ा मुख्य स्थान है, यहां ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है.

- अब्दुल गफ्फार खान